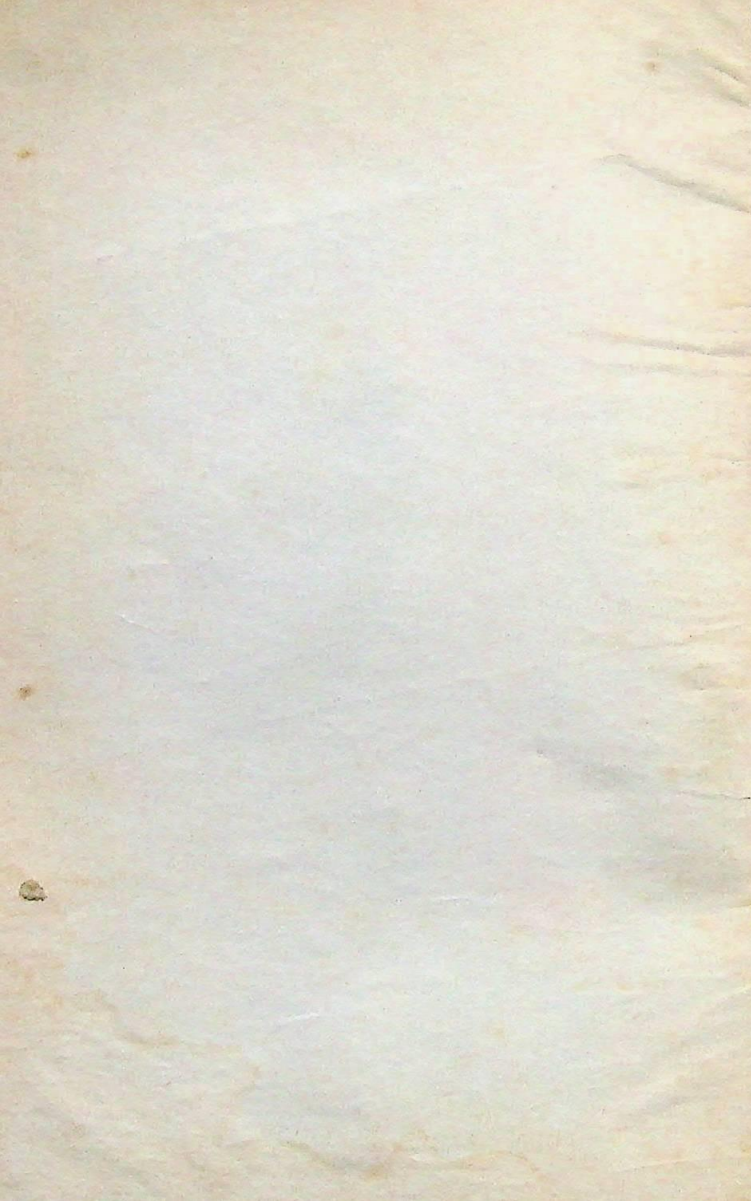


राधे राधे जपो चले आर्येग बिहारी





नई 'कन्हैया भजनमाला'

राधे-राधे जपो चले आर्येंगे बिहारी

साँवरे कन्हैया व सलौनी राधे के चरणों में उन्हीं के
भक्तों द्वारा लिखे गये भजनों का नवीन संग्रह

संग्रहकर्ता :
विवेक कुमार

प्रकाशक :
यमुना पुस्तक भण्डार

जोगी गली, आर्य समाज रोड,
मथुरा - 281001

फोन - 406714

मूल्य : 12 रुपये

भजन सूची

1.	राधे-राधे जपो चले आवेंगे बिहारी	4
2.	मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो	5
3.	मेरो काना गुलाब को फूल	6
4.	बांके बिहारी की जय	6
5.	दूर नगरी बड़ी दूर नगरी	7
6.	चलो आइयो रे श्याम	8
7.	अँखियाँ पुकारे हैं	9
8.	दीवानी-2 मीरा	11
9.	कान्हा तेरी भुरली बजे	12
10.	कान्हा हमारा जग से निराला	13
11.	तेरे बिन गोकुल की	14
12.	लल्ला हो बृज का	16
13.	दिल रिझाता है	17
14.	बंसी बजाए कान्हा	19
15.	मथुरा नगरिया का राजा	20
16.	एक गोरी है	22
17.	जमुना के तट पर	23
18.	बृज के कान्हा	24
19.	आ माखन मिश्री खाले	25
20.	क्या हुआ तुझे क्या	26
21.	देखी सारी दुनिया देखे	27
22.	तूने बंसी री बजाई	28
23.	दैया रे दैया	29
24.	कृष्ण कहैया बंसी	30
25.	आजा के रास हम	31
26.	जो बंसी बजाता है	31
27.	कृष्णा उद्धार कर	32
28.	मैया जिसकी यशोदा	33
29.	कृष्णा-2 बोलो	34
30.	किशन का नाम	35
31.	सदा ब्रज में रहेंगे	36

32.	ओ तुझे आखों में	37
33.	किशन का नाम	37
34.	तुझे आंखों में बसाया	38
35.	राधे तेरे चरणों की	39
36.	मैंने रटना लम्बाई रे	39
37.	राधा जू गोरी	40
38.	रखियो लाज हमारी	41
39.	राधारानी हमारी रखवार	41
40.	गुजरिया बरसाने वाली	42
41.	मेरी मटकी गिराय गयो रो	43
42.	सुन वंशी तेरी श्याम	44
43.	झूलें रानी राधिकाजी	44
44.	काहे रोके डगर	45
45.	सदा ब्रज में रहेंगे	46
46.	तोय ऊखल से बंधवाय	46
47.	मेरे दिल में गई समाय	47
48.	राधे ने झूला डारी	48
49.	सुघड़ सुहानी झूला रानी	49
50.	श्याम सलीने	49
51.	मधुर मुरलिया बाजी	50
52.	श्याम मुरलिया बैना	50
53.	श्याम न आए	51
54.	अरी बहना जमुना	51
55.	अरी बहना झूला	52
56.	अरी बहना बरसानी	53
57.	कृष्ण कन्हैया झूलें	53
58.	अरी बहिना राधा	54
59.	मधुवन झूला डारी	55
60.	श्याम सलीनों झूलें	55
61.	सखी कृष्ण की	56
62.	अरी बहिना जमुना	56
63.	गड़ी है हिंडोला	57
64.	पाती लिखत में	58
65.	बोल के ब्राह्मण	58

राधे-राधे जपो चले आएँगे बिहारी

भजन

राधे-राधे जपो चले आएँगे बिहारी-२

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी-२

आएँगे बिहारी चले आएँगे बिहारी-२

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा मेरी चंदा चकोर है बिहारी-२

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी-२

राधा रानी मिश्री तो स्वाद है बिहारी-२

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा मेरी गंगा तो धार है बिहारी-२

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा रानी तन है प्राण है बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा रानी सागर तरंग है बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा रानी मोहिनी तो मोहन बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा मेरी गोरी तो सांवरे बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा रानी भोली भाली चंचल बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी

राधा रानी नथनी तो कंगन बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी
राधा रानी मुरली तो तान है बिहारी

राधे-राधे रटो चले आएँगे बिहारी
आएँगे बिहारी चले आएँगे बिहारी

मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो (भजन)

मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो दाग री

कैसो चटक रंग डारो

श्याम मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो दाग री-२

औरन को अचरान छुअत है

ब्याही योही सो लग रही लागरी

कैसो चटक रंग डारो

श्याम मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो दाग री

कैसो चटक रंग डारो

मो सो कहा थोऊ सुन्दर नारी

ये तो योही सो खेले आगरी

कैसो चटक रंग डालो

श्याम मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो-२

बल-बल दास आस ब्रज छोड़ो

ऐसी होरी ये लग जाए आगरी

कैसो चटक रंग डारो

श्याम मेरी चुन्दड़ी में पड़ गयो दाग री

कैसो चटक रंग डारो

मेरो काना गुलाब को फूल (भजन)

मेरो काना गुलाब को फूल किशोरी मेरी कुसुम कली-३

काना मेरो नन्द जू का छोना-२

श्री राधे विश्वान लली किशोरी मेरी कुसुम कली

मेरो काना गुलाब को फूल

काना माँगे माखन लोना-२

राधे माँगे मिश्री की डली किशोरी मेरी कुसुम कली

मेरो काना गुलाब को फूल किशोरी मेरी कुसुम कली

काना खेले नन्द जूके अंगना

राधे खेले रंगीली गली किशोरी मेरी कुसुम कली

मेरा काना गुलाब को फूल किशोरी मेरी कुसुम कली

ब्रज निधि दर्शन की प्यासी-२

वो तो भटकत गली-२ किशोरी मेरी कुसुम कली

मेरो काना गुलाब को फूल किशोरी मेरी कुसुम कली

बांके बिहारी की जय (भजन)

बांके बिहारी की जय बोलो-२

बांके बिहारी लाल तेरी जय होवे-२

भक्तन के रखपाल तेरी जय होवे

जय होवे तेरी जय होवे-२-२

चारों वेद तेरो जस गावें नेती-२ सदा पुकारें-२

फिर भी ना पावे पार तेरी जय होवे-२-२

जय होवे तेरी जय होवे-२-२

दुख संकट के तुम रखवाले भक्तन की आँखों के तारे-२
 दूर करो अंधकार तेरी जय होवे बाँके बिहारी लाल तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे तेरी जय होवे बाँके बिहारी लाल तेरी जय होवे
 हम दुखियारे द्वार तिहारे रैन दिना यहाँ दिन पुकारे
 कर भव सागर से पार तेरी जय होवे
 जय होवे तेरी जय होवे बाँके बिहारी लाल तेरी जय होवे-२
 हम पागल हैं दुनियाँ वाले स्वार्थ के हैं सब मतवाले
 अब तो आकर थाम तेरी जय होवे
 जय होवे तेरी जय होवे जय होवे तेरी जय होवे
 भक्तन के रखवाले तेरी जय होवे

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी (भजन)

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी-२
 कैसे आऊँ मैं कन्हाई तोरी गोकुल नगरी बड़ी दूर नगरी
 दूर नगरी बड़ी दूर नगरी
 रात को आऊँ काना डर मोही लागे-२
 दिन को आऊँ तो देखे सारी नगरी-२
 दूर नगरी बड़ी दूर नगरी
 सखी संग आऊँ काना शर्म मोहे लागे-२
 अकेली आऊँ तो भूल जाऊँ डगरी
 दूर नगरी बड़ी दूर नगरी-२
 धीरे-धीरे चलू तो कमर मोरी लचके-२

झटपट चलूँ तो झलकाएँ गगरी

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी

मीरा कहे प्रभु गिरधर नागर

तुमरे दरस बिन मैं तो हो गई बावरी

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी-२-२

चलो आइयो रे श्याम (भजन)

चलो आइयो रे श्याम मेरी पलकन पे चलो आइयो रे

हाँ रे चलो आइयो रे श्याम मेरी पलकन पे चलो आइयो रे

तू तो रीजो मेरी नवल जोबना-२

हाँ मारे रसिया हो मारे रसिया तू तो रीजो मेरी नवल जोबना-२

मेरी घी तेरी तिलकन पे चलो अइयो रे

चलो अइयो रे श्याम मेरी पलकन पे

हाँ रे चलो अइयो रे श्याम मेरी पलकन पे

तू तो रीजो मेरी लटक चाल पे

मेरी जी तेरी अलकन पे चलो अइयो रे

श्याम मेरी पलकन पे चलो अइयो रे

हारे चले अइयो रे हम्मे चलो अइयो रे

श्याम मेरी पलकन पे

पुरुषोत्तम प्रभु की छवि निर्भय

हाँ हाँ वारे रसिया

अभी तेरी छलकन पे चलो अइयो रे

श्याम मेरी पलकन पे चलो अइयो रे

अँखियाँ पुकारे हैं (भजन)

अँखियाँ पुकारे हैं कि कहाँ तक लाला

तेरी जुदाई में आँखें चढ़ती हैं

ओ काना ओ काना तू है कहाँ-२

तरसे है मन तरसे है मन

भक्तों के पालन हारी सबके सहारे

खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी

ओ काना ओ काना तू है कहाँ

तरसे है मन बरसे है मन

जिस जिसको भी काना तेरा प्यार मिला

उसके मनमें भक्ति का गुलजार मिला

भव सागर से सबका जीवन पार करो

हे गिरधारी सबका तुम उद्धार करो

मुक्ति सबको दिलवाना भूल न जाना

खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी

ओ काना ओ काना तू है कहाँ

तरसे है मन बरसे है मन

नजरो से काना अपनी दूर ना कर

तड़पू मैं दिन-रात मुझे मजबूर ना कर

तेरी याद में नींद कहाँ से आएगी

बंसी की धुन आके मुझे रुलाएगी

तू हमको ना ठुकराना गले से लगाना

खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी
ओ काना ओ काना तू है कहाँ
तरसे है मन तरसे है मन
माखन चोर मुरारी दुखड़े दूर करो
भक्तों की बाधाएँ दूर करो
चेहरों पे मुस्कान सभी के आई है
तेरा सुमिरन श्याम बड़ा सुख दाई है
अँखियों से बहती धारा ने तुमको पुकारा

खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी
ओ काना-२ तू है कहाँ
तरसे है मन तरसे है मन
जो भी तेरे नाम का दीप जलाएगा
जीवन की खुशियाँ सारी पाएगा
पूजन अर्चन तेरा जो दिन रात करे
सारी दुख बाधाएँ उससे दूर रहें
मन वांछित फल वो पाए जो रिझाए

खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी
ओ काना-२ तू है कहाँ
तरसे है मन-२ भक्तों के पालन हार सबके सहारे-२
खोए कहाँ हो मेरी अँखियाँ हैं प्यासी

दीवानी-२ मीरा (भजन)

दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी-२
दीवानी-२ मैं दीवानी मैं दीवानी श्याम दरस की दीवानी
तेरा नाम पुकारे गली-२ सब राजपाट को छोड़ो
तेरी नाम चुनरिया ओढ़े जीवन बीते मोरा
दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी-२
पी गई तेरे नाम का प्याला

विष तूने अमृत कर डाला-२
तेरे बिना जीना उसे नहीं मंजूर था

नाम के तेरे चढ़ा ये सुरूर था
दीवानी दीवानी दीवानी दीवानी

तेरी लगन में काना मीरा जी ने राणाजी को छोड़ा
और दीवानी होकर उसने दुनिया को पीछे छोड़ा
दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी-२
मोरे सांवरिया कब दोगे दर्शन

तोरे दरस को तड़पे है ये मन
तेरे दीवाने तेरा दीदार माँगते

चरणों का तेरे काना आधार माँगते
दीवानी-२ दीवानी-२-२

अब छोड़ के बंसी आज्ञा दरस दिखादे मोहे सांवरिया
तेरे बिन गोकुल की गलियाँ और सूनी पड़ी नगरिया

दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी-२
तेरी याद कितना हमको रुलाएँ
तेरे बिना जीवन बीत ना पाए

बागों की पूंजी का क्या भरोसा
तेरे बिन जिया अब लागे ना मोरा

दीवानी-२

दीवानी-२-२

या अब तो दर्शन देकर काना पार करो मेरी नैया
वरना दरपर तेरे जाऊँगा ओढ़ के नाम का दरिया

दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी
में दीवानी-२ दीवानी-२-२

पी गई तेरे नाम का प्याला विष तूने अमृत कर डाला
तेरे बिना जीना उसे नहीं मंजूर था तेरे नाम का
उसे चढ़ा सुरू था

दीवानी दीवानी दीवानी

तेरी लगन में काना मीरा ने राणा जी को छोड़ा
और दीवानी होकर उसने इस दुनिया को भी छोड़ा
दीवानी-२ मीरा दीवानी श्याम दरस की दीवानी

कान्हा तेरी मुरली बजे (भजन)

कान्हा तेरी मुरली बजे-२

दौड़ी-२ आएँ गोपियाँ कभी धुन सुन मस्ती चढ़े
कान्हा रे कान्हा रे कान्हा रे राधिका तुमको पुकारे

कान्हा तेरी मुरली बजे-२
 माता यशोदा की आँखियों का तारा है
 हे नन्द लाला तू सबका दुलारा है
 सबके ये दिल में रहे
 कान्हा तेरी मुरली बजे
 मटकी को फोड़े तू सबको सताए रे
 माखन चुराके तू सबको खिलाएँ रे
 ओ लीला तेरी सबसे परे
 कान्हा तेरी मुरली बजे
 तूने ही काली का अभिमान तोड़ा था
 तूने ही अर्जुन की शंका को तोड़ा था
 सारथी ही बनके रहे
 कान्हा तेरी मुरली बजे-२
 सबका सहारा तू सबका सहाई है
 गिरधारी तूने ही दुनियाँ बसाई है
 ओ हाथ तेरा सिर पे रहे
 कान्हा तेरी मुरली बजे-२-२

कान्हा हमारा जग से निराला (भजन)

कान्हा हमारा जग से निराला करले तू इसको नमन
 मुक्ति दिलाए पार लगाए आजा तू इसकी शरण
 मन में बसी है श्याम तेरी मूरत
 जिधर देखती हूँ नजर आए बस तू
 तेरा मेरा रिश्ता टूटे कभी ना
 कान्हा हमारा जग से निराला

बंसी की तानों में जादू है ऐसा भरा

जो सुने वो वहीं रह जाता है बस खड़ा-२

जो तेरा नाम ले पल में वो जाता है तर

जो तेरे सामने कान्हा झुकाता है सर

बंसी बजईया सबके नचईया पार लगा दे तू मेरी नईया

कान्हा हमारा जग से निराला कर ले

पापियों का सदा संहार तूने किया

दुष्टों को मारकर जग का उद्धार किया

जो तेरे भक्त हैं जो तुझको हर पल जपे

जो तेरे सामने हैं हाथ जोड़े खड़े

ज्ञान दया के तुम अवतारी जिन्दगी सबकी तूने संवारी

कान्हा हमारा जग से निराला

जो मेरे पास है तेरा ही है वो प्रभु

सारे संसार का कान्हा तू ही है गुरु

तूने कंस का अभिमान चूर किया

बनके सारथी अर्जुन के साथ रहा

शंका अर्जुन की तूने मिटाई

कर्म की भाषा उसको सिखाई

कान्हा हमारा जग से निराला

तेरे बिन गोकुल की (भजन)

तेरे बिन गोकुल की गलियाँ सूनी-२ लागे

मेरी भी बिनती को सुन ले गिरधारी मतवाले

हे गिरधारी मतवाले सुन ले-२

हे मुरारी तू बिनती हमार सुन ले-२

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

मेरे कान्हा तू सबकी फरियाद सुन ले

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले-२

मैया यशोदा की आँखों का तारा

तेरा ही फैला है जग में पसारा-२

अपने चरणों में मेरा प्रणाम ले ले-२

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

सबका सहारा है बाँके बिहारी

चरणों में तेरे है अरजी हमारी

सबके चेहरों पे अपनी मुस्कान दे दे

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

मन के मन्दिरवा में तेरी ही मूरत

अँखियों में रहती है तेरी ही सूरत

चाहे भक्ति में तू मेरी जान ले ले

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

पूजा में जानू ना भक्ति में जानू ना

मैं तो तेरा काना बस प्यार माँगू

बंसी वाले तू सबकी पुकार सुन ले

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

मेरे कान्हा तू सबकी फरियाद सुन ले

अपने भक्तों के जीवन से खार चुन ले

लल्ला हो बृज का (भजन)

लल्ला हो बृज का लल्ला-२

मीरा के घनश्याम हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं-२

भक्तों के भगवान हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं-२

बंसी बजैया जगके रचैया पार करो भक्तों की नैया

लल्ला हो बृज के लल्ला-२

कभी मटकी फोड़े-२ कान्हा जी

कभी मन को मोहे-२ कान्हा जी

हाय-२ तेरी ये नजर दिल पे करे है असर

बंसी

बजे

ऐसी-२

सबके तन में प्राण हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं-२

भक्तों के अरमान हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं

तेरे जैसा कोई ना जग में तू ही सबकी लाज बचाए

लल्ला हो बृज का लल्ला

तेरी बंसी की धुन काना सबको लागे है भली

मेरी दिल की जागी-२-२-२ खलबली

सुन है मुरारी मदन चरणों में लागी लगन

तेरे

चरण

चूमे-२-२

भक्तों के सम्मान हो तुम्हीं मान हो तुम्हीं

मैया की मुस्कान हो तुम्हीं-२

तेरे जैसा कोई ना जग में तू ही सबकी आँख का तारा

लल्ला हो बृज का लल्ला हो-२

मेरे मन में छाई-२-२ तेरी मूरती

मेरे दिल में बस गई मोहन प्यारे तेरी मूरती
तू ज्ञान का है सागर भर दे तू मेरी गागर

पकड़ा तेरा दामन-२-२
धरती और आकाश हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं
सूरज तारे चाँद हो तुम्हीं श्याम हो तुम्हीं
मैं मूर्ख अंजान पुजारी कैसे गाऊँ तेरी महिमा
लल्ला हो बृज का लल्ला

दिल रिझाता है (भजन)

दिल रिझाता है-२
तेरी बंसी की धुन में जादू ऐसा है दिल रिझाता है-२
जो तुझको देख ले एक बार वो तेरा ही हो जाए-२
तू सबकी खोई तकदीरें जगाता है

दिल रिझाता है-२
सखियों संग खेले तू ग्वालों संग डोले तू
तेरी लीला जग से परे
मटकी को फोड़े तू माखन को खाए तू
करता है सबके भले
मेरे मन है मूरत तेरी
मेरी अँखियों में सूरत तेरी
तू दुनिया का है रखवाला तू सबके काज करता है-२

तू सबके दिल में अपना घर बनाता है
दिल रिझाता है दिल रिझाता है-२

माँ ने जब बचपन में तेरे मुख में झाँका
तब उसको दुनियाँ दिखी

गोवर्धन पर्वत को उँगली पर जब राखा
उसे देखे दुनियाँ हो ली

सबने समझा था बालक तुझे
वो क्या जाने थे भगवान है तू

तेरी लीला को देखा होश दुनियाँ को तभी आया
सारी सृष्टि को उँगली पर नचाता है

दिल रिझाता है दिल रिझाता है

अर्जुन को जब मन की शंकाओं ने घेरा
तब शंका तुझी से मिटी

बढ़ी यमुना जी गोकुल जब तू आया
तेरे चरणों को छूकर घटी

कष्टों से सबको तारे तू ही
जीवन सबका संवारे तू ही

तेरे आगे चली ना कंस की कोई भी चाल अपनी
तू ही मारे सभी को तू ही जिलाता है

दिल रिझाता है-२-२

तेरी बंसी में जादू ऐसा है

बंसी बजाए कान्हा (भजन)

बंसी बजाए कान्हा सब को रिझाए

गैया चराए वो भी कपड़े चुराए

नटखट है बड़ा नन्द लाला

देखो जी नटखट है बड़ा नन्द लाला-२

रास्ता ये रोके कभी सबको सताए

पकड़ो यशोदा माँ के पास छुप जाए

नटखट है बड़ा नन्द लाला-२

भगवन है तू भक्तों का सगरे जगत का तू रखवाला

ज्ञान दया का सागर तू सबकी आँखों का तारा

बंसी बजैया गिरधारी सबसे पावन नाम तेरा

तुझको नमन है श्याम जी तेरी लीला है सबसे परे

बंसी बजाए कान्हा सबको रिझाए-२-२

माधव कृष्ण मुरारी तू भक्तों के हितकारी सुन

राह तक तेरी सब सखियाँ

अब तो है गिरधारी सुन खोए कहाँ हो नन्द लाला

राह तक तेरी बृजवाला

आँखें सभी बेचैन हैं आ के तू दरस दिखा

बंसी बजाए काना सबको रिझाए

नटखट है बड़ा नन्द लाला

इन्द्र देव जब रुष्ट हुए

वर्षा बृज पर थे भारी

चारों ओर आतंक मचा
 भाग रहे हर नर नारी
 आए शरण जब कान्हा की
 लीला प्रभु ने कर डाली
 उँगली पे पर्वत को उठा भक्तों की रक्षा करी
 बंसी बजाए कान्हा सबको रिझाए
 नटखट है बड़ा नन्द लाला
 बाल समय तो ही मारन को
 कंस ने , दुष्ट कई भेजे
 हर एक पापी को मारा
 कंस हमेशा ही हारा
 मूर्ख बड़ा अभिमानी था तुझको जान नहीं पाया
 उसका भी अंत किया तूने भय मुक्त समाज किया
 बंसी बजाए कान्हा सबको रिझाए
 नटखट है बड़ा नन्द लाला
 दैया रे नटखट है बड़ा नन्द लाला

मथुरा नगरिया का राजा (भजन)

मथुरा नगरिया का राजा बन गया-२
 गोपी गोपिकाओं का शहजादा बन गया
 अपनी प्रजा का महाराजा बन गया
 भक्तों का किशन ये किशन-२
 अवतारी बन गया अवतारी बन गया

मैया यशोदा का है प्यारा
बृजनम है मुरली वाला तू चाहे तो बदले किनारा
तेरा आगे झुकता जग सारा

चरण चूमे धरती ये अंबर जहाँ
तेरा प्यार हरदम बरसता यहाँ

अकेले में आता नहीं चैन अब
बिना तेरे सब कुछ अधूरा है अब

मुरली वाला ये मस्ताना बन गया
गोपी गोपिकाओं का शहजादा बन गया

अपनी प्रजा का महाराजा बन गया
भक्तों का किशन ये किशन

अवतारी बन गया
नटखट है तेरो माँ कन्हैया

छलिया है मुरली बजैया
बेदर्दी है ये दीवाना

सखियों के मारे बैरी ताना
कभी खाए माखन कभी खेले खेल

कभी राधा प्यारी से जोड़े ये मेल
सूरज चाँद बादल सितारा है तू

हरेक नजर का नजारा है तू
भटकी हुई कश्ती का सहारा बन गया

गोपी गोपिकाओं का शहजादा

अपनी प्रजा का महाराजा बन गया

भक्तों का किशन ये किशन अवतारी बन गया

एक गोरी है (भजन)

एक गोरी है एक श्यामल है

एक राधा है एक मोहन है छुप-छुप के मिलते हैं

राधा कृष्ण ये कहते हैं सारे जग क्यों ना ये जाने

है प्रेम दीवाने इन्हें डर नहीं दुनियाँ का

बस प्यार के दीवाने ये दिल की बात जाने

एक राधा है एक मोहन

ये बरसाने की गोरी के सपने

है नन्द गाँव का वो राजा

ओ मिलते-२ सदिया बीती दिल अब तक नहीं भरा

कृष्ण बोले राधा डोले दोनों का बंधन है

तुम दो रात बंधन है हम ये बताए हमें डर ये लगे हाथ

बदनाम ना हो दोनों

बस प्यार के दीवाने बस दिल की बात जाने

एक गोरी है एक श्यामल है

है ये कहानी जनमो पुरानी राधाकृष्ण की भी कहता जहाँ

ओ मैया यशोदा काये प्यारा इन्हें पूजे दुनियाँ यहाँ

घबराए दिल शरमाए दिल क्या इनको घबराना

क्या इनको शरमाना सारा जग इन्हें जाने ये हैं प्रेम दीवाने

इन्हें डर नहीं दुनियाँ का बस प्यार के दीवाने

ये दिल की बात जाने
एक राधा है.....

राधे कृष्णा राधे कृष्णा (भजन)

राधे कृष्णा राधे कृष्णा सुन जरा-२

राधे कृष्णा-२ बोल जरा-२

राधा को चुन लिया कृष्ण ने बंसी की धुन में क्या
बुन लिया प्रीत के धागों में अपने साथ राधे-२
बेकरार रहने लगा राधिका का मन यादों में
जन्मों का है ये सिलसिला खो गया है वो ख्वाबों में-२
कैसा हाल है ना ख्याल है बन गया है दीवाना है
नन्द गाँव का बृज के प्यार का बन गया है अफसाना ये
प्रेम से बोल के श्रीकृष्ण राधे इन का पूछो पता

राधे कृष्णा सुन जरा

सारे ही बृज में ओ कृष्णा याद तेरी आती है
पर याद करके रो-२ के हमको बहुत ही रुलाती है-२
प्रीत का नहीं टूटता कभी सिलसिला तेरा ओ कृष्ण
देखो तो जरा इनको है मिला प्यार का सिला जीने का
तू ही तो बता तेरे तो बिना एक पल गुजरता है क्या

जमुना के तट पर (भजन)

जमुना के तट पर कभी पगधर पे छवि तेरी भाए-२
होके जुदा मुझसे प्रिय कभी तुम्हें चैन आता है
सारे बृज में रहता हूँ मिलने को तरसता हूँ

तुझसे मिली मैं दीवानी बनी तू मेरे सपनों की रानी बनी
 आजा मोहन आजा यमुना तीरे चुपके से आना तू धीरे-२
 दर्शन को तेरे जिया ये तड़पे करके बहाना तू चली आना
 छोड़ के ना जाना क्या दूर जाके दिल मुझे क्या भूल जाता है
 तेरी याद सताती है मुझे बहुत रुलाती है-२
 आँखों में तू ही बसी है प्रिय बिन तेरे कैसे बिताए जिए
 कोई भी जाने ना हालत है पागल बना देगी चाहत तेरी
 किसकी मिली है मुझे ये सजा
 अब चुप रहना बीत गई रैना तेरे बिना कृष्ण
 होके जुदा मुझसे प्रिया कभी तुम्हें चैन आता है
 सारे बृज में रहता हूँ

बृज में कान्हा (भजन)

बृज में कान्हा की पुकार है
 जग में कान्हा की पुकार है-२
 कह रही है भक्तों की जुवां बस तुम्हारा इंतजार है-२
 ढूँढ़ते हैं हम तुमको दरबदर जाने कब कहाँ पे दरश दोगे प्रभु वर
 हम हैं बेखबर तुम हो किधर ढूँढ़े
 दरबदर फिर भी तुम हो बेअसर
 अब ना तुमसे दूर होंगे हम
 बस तुम्हारा ही तो प्यार है-२
 बृज में कान्हा

पूजते हैं हम तुमको गिरधर तेरे सिवा ना कोई दूजा हमसफर
 तुम्हारे ख्याल में हाल है बुरा हमारा ऐसे हाल में
 मथुरा वृन्दावन गाँव घर-घर में लीला तेरी अपार है-२
 कह रही है भक्तों की जुबां बस तुम्हारा इंतजार है
 मथुरा हो चाहे वृन्दावन चाहे बरसाने हो चाहे गोवर्धन
 चाहे निधिवन चाहे मधुवन तरसे नैना भक्तों के देखने को मन
 रास रचैया तू ही कण-कण जमुना के आर-पार है-२
 कह रही है भक्तों की जुबां

आ माखन मिश्री खाले (भजन)

आ माखन मिश्री खाले हम अरमा सब दिल के मिटाले हम
 दिल में है खलबली पकड़ी ना जाए चोरी-२
 चूके ना मौका ये हम

आ माखन मिश्री

चढ़ने दे तू चुपके से मुझे है टंगी मटकी जहाँ
 चढ़ भी जा चुपके से मैया ना आ जाए यहाँ
 दिल में है खलबली पकड़ी ना

आ तूने जो देखा है माँ से ना कहदे कहीं
 मैंने भी तो खाया है मैं कहूंगी तो सही-२

सामने माँ खड़ी जान आफत में पड़ी
 मिल के चलो भागे हम

आ माखन मिश्री

क्या हुआ तुझे क्या (भजन)

क्या हुआ तुझे क्या हुआ-२

नटखट बड़ा है माँ तेरो कन्हैया

पनघट से निकली जब भर के गगरिया

अरे इस तेरे लल्ला ने पकड़ी कलाई

हाँ झटके से मोरी मटकी गिराई

जब ही कन्हैया ने खींची मोरी अंगिया-२

फिर क्या हुआ वहाँ शोर मच गया हाय मोरी मैया-२

रस्ता मैंने बदला, रस्ते पे जो वो खड़ा था

पनघट से पहले जा वो खड़ा था

फुसलाया मुझको पीछे पड़ा था

फिर दिन दहाड़े गजब कर गया है फिर क्या हुआ

वहाँ शोर मच गया हाय मोरी मैया-२

बीच बजरिया घेरे सखियाँ भी संग में मेरे

कैसे बताऊँ मैं उसको बताऊँ कि खुद बताऊँ

किस-किस को बताऊँ कि इनको बताऊँ कि उनको बताऊँ

ऐसे फंसी में दैया रे दैया फोड़न को आया मटकी कन्हैया

मटका गया रे जुल्म कर गया रे

फिर क्या हुआ वहाँ शोर मच गया हाय मोरी मैया

जब ही कन्हैया ने.....

देखी सारी दुनिया देखे (भजन)

देखी सारी दुनिया देखे बृज के ग्वाले

लाखों और करोड़ों ये मामा भाँजे निराले

कृष्णा रे कृष्णा वैरी गुड-२

कृष्णा का मामा वैरी बैड-२

बृज का दीवाना वैरी गुड-२

कंस का ड्रामा वैरी बैड-२

एक दूजे के दोनों दीवाने-२

दुष्ट कंस की अत्याचार से होती है पहचान-२

मुरली वाला तो जग में सबसे बड़ा महान

कृष्ण का ताना वैरी गुड

कंस का निशाना वैरी बैड-२

बृज का दीवाना वैरी गुड-२

कंस का ड्रामा वैरी बैड-२

एक दूजे के दोनों दीवाने

कंस कृष्ण की कृष्ण कंस की जब शुरू हुई तकरार

भेद भाव की तोड़ी सीमा मिटा के अत्याचार

कृष्ण ने तारा वैरी गुड

कंस ने भारा वैरी बैड

बृज का दीवाना वैरी गुड

कंस का ड्रामा वैरी बैड

एक दूजे के दोनों दीवाने

बचपन की ये कहानी
 देवकी वासु जानी-२
 कभी-कभी आ जाता है सुनके आँख में पानी
 कृष्ण के नखरे वैरी गुड
 कंस के पहरे वैरी बैड
 बृज का दीवाना वैरी गुड
 कंस का ड्रामा वैरी बैड
 एक दूजे के दोनों दीवाने
 कृष्णा रे कृष्णा कृष्णा का मामा

तूने बंसीरी बजाई (भजन)

तूने बंसीरी बजाई उनकी नींद है चुराई
 रैना काटी होगी उसने जागकर
 बंसीधर ओ बंसीधर
 उसपे ना यूं काबू कर
 बंसीधर मैं बंसीधर हक तो है मेरा रुक्मणी पर
 राधे सुर है मैंने साधे मेरे पक्के हैं इरादे
 ले आऊँगा रुक्मणि को छीनकर
 बंसीधर ओ बंसीधर
 गोकुल में भी तूने काना गोपिन को पागल किया था
 तूने ये वेनू बजाकर दिल सबका घायल किया था
 बचपन के दिन भी थे न्यारे अब तो वो हो गई कहानी
 हर गोपी मेरे ही पीछे ना जानं क्यों थी दीवानी

जादू तेरी छवि का तू तो चोर सभी का

भक्त आते हैं पीछे दौड़कर

बंसीधर

ओ

बंसीधर

जब-जब याद आते हैं वे दिन

यादें मन को मनाती

याद तब वे ही घड़िया अच्छा हो गर लौट पाती

विपदाएँ आई हैं जिनपे उन सबने मुझको पुकारा

फर्ज निभाया है मैंने तुमको दिया है सहारा

तब ही वो कन्हैया तेरे दिल में समाई

होने लग गई है उनकी फिकर बंसीधर ओ.....

दैया रे दैया (भजन)

दैया रे दैया रे नटखट मोहन रे दैया रे दैया-२

नटखट मोहन रे कंकरिया रे फोड़े गगरिया रे दैया रे दैया-२

आके कन्हैया मोड़े कलैया भाग जाए झटपट रे

गगरिया पे हाय-२ गगरिया पे मारे कंकरिया रे

इसकी ना सुनियो रे छोकरिया दे झूठी खबरिया रे दैया रे दैया

काना हमारा भोला बेचारा चोरी करे झटपट रे

कन्हैया पे-२ कन्हैया पे डाले नजरिया रे

नटखट मोहन रे कंकरिया

काना को ले जाए घर बुलाइए के

अपने ही हाथों से माखन खिलाई के

कहती वो खाए चोर के कन्हैया को फाँसे छोकरिया रे

तुम तो सभी को उसके सिखाए यशोदा का जाय
तुम्हें माखन खिलाए

साथी को मोहन के जाने तुम्हें सारी नगरिया रे
अरे नटखट मोहन रे कंकरिया से फोड़े गगरिया रे
पनिया भरन जाऊँ पनघट जब ही कान्हा भी चोरी-२ आए वहीं
मन में विचार करके गगरिया में मारे कंकरिया रे
पीतल की मटकी काहे ना लाए बाबुल से कहियो तोहे दिलाए
चाहे कर्ज करके ले आएगा पीतल की गगरिया रे
नटखट मोहन रे कंकरिया.....

दैया रे दैया दैया रे दैया

कृष्ण कन्हैया बंसी (भजन)

कृष्ण कन्हैया बंसी बजैया तरस रहा है मन
दरस तू दे दे किशन
धेनु चरैया रास रचैया बरस रहे हैं नयन दरस तू दे दे किशन
पिंजरे में बन्द पंछी प्राणों को रो रहा

हाल जगत में इसका क्या हो रहा
मुक्ति दिलाएगा तू मन में ये आस है देर ना कर
आजा घुट रही साँस है
प्राण ये जब तन छोड़े जब हो तू सामने कृष्णा
तू ही जीवन की ये डोर थाम ले

नन्द के छैया लाल रखैया पूरे करदे सपन
दरस तू दे दे किशन

आजा के रास हम (भजन)

आजा के रास हम खेलेंगे ओ रास रचैया कान्हा रे-२
तुझ बिन ना कटे जीवन का सफर ओ लाज रखैया आना रे-२
आजा के रास हम खेलेंगे तुम बिन ना कटे जीवन
डगमग नाव है मझधारे भँवर आ पार लगैया कान्हा रे
आजा के रास हम खेलेंगे खेलेंगे-२-२
मोहिनी तेरी सूरत दिखा जारे श्याम तुझको पुकारे तू आजा रे
तेरे चरणों में जीवन बिताना है तेरे दर्शन से पावन बनाना है
हम तो ये चाहते किशन हमसे कभी दूर ना हो
हमने तुझको अपना सब कुछ ही है बंसी बजैया माना रे
तुझ बिन ना कटे जीवन का सफर ओ लाज रखैया आना रे
आजा के रास हम खेलेंगे खेलेंगे-२-२
प्यास तेरे दरस की अधूरी है देखें कब कृष्णा करता तू पूरी है
याद कर तेरा वादा पुराना फिर से धरती पे तुझको आना है
कलयुग में चाहें सभी तेरा जन्म फिर से यहीं हो
दिया वचन गीता में आऊँगा हे धेनु चरैया आना रे
डगमग नाव है मझधारे भँवर आ पार लगैया कान्हा रे
आजा के रास हम खेलेंगे ओ रास रचैया कान्हा रे
तुझ बिन ना कटे...

जो बंसी बजाता है (भजन)

जो बंसी बजाता है रास रचाता है
ग्वालों का साथी है गैया चराता है

चोरों का है जो सरताज वो है कृष्ण कन्हैया-२

पनघट पे आता है हमको सताता है

मटके भी फोड़े वो चित्त चुराता है
फिर भी करे जिसे प्यार हम वो है कृष्ण कन्हैया-२
मोहन जग का स्वामी है

वो तो अन्तर्यामी है
अनगिनत तारों से भी ज्यादा नाम धरे बहुनामी है
विदुर की हाजी खाई द्रौपदी लाज बचाई
मोक्ष गजेंद्र ने चाहा मुक्ति उसे भी दिलाई
कृष्ण मुरारी की मीरा दीवानी थी जोगन बनी घूमी
जो महलों की रानी थी जिसमें समा के हुई पार
वो है कृष्ण कन्हैया-२

जो बंसी बजाता है रास रचाता है

कृष्णा उद्धार कर (भजन)

कृष्णा उद्धार कर देगा

नैया वो पार देगा धरती पे आएगा मोहन
फिर से अवतार धर लेगा-२

कृष्णा उद्धार कर देगा
जो बना बेचारा है वो जहाँ में हारा है-२
जो ना माने भगवान को वो ही बेसहारा है
कृष्णा आधार दे देगा कृष्णा उद्धार कर देगा
नैया वो पार कर देगा



राधे राधे जपो
चले आर्येंगे बिहारी

